प्रेषक,

विजय प्रताप सिंह,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग,
उत्तर प्रदेश लखनऊ।

उद्यान अनुभाग **लखनऊ: दिनांक 25 अगस्त, 2015**

विषय:- **राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत वर्ष 2013-14 में एस0एल0एस0सी0 से अनुमोदित परियोजना "30 नान एन0एच0एम0 जनपदों की औद्यानिक विकास योजना" के सापेक्ष अवशेष कार्यक्रमों को वर्ष 2015-16 में क्रियान्वयन हेतु अवमुक्त धनराशि के व्यय किये जाने की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-109-10/बजट-आर0के0वी0वाई0/2015-16, दिनांक 21.8.2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 में कृषि अनुभाग-3 के शासनादेश सं0-1177/12-3-2015-100(46)/2008, दिनांक 14.8.2015 द्वारा वर्ष 2013-14 में एस0एल0एस0सी0 द्वारा अनुमोदित परियोजना "30 नान एन0एच0एम0 जनपदों की औद्यानिक विकास योजना" के सापेक्ष अवशेष कार्यक्रमों को वर्ष 2015-16 में क्रियान्वयन हेतु स्वीकृत धनराशि रू0-654.69 लाख (रूपये-छः करोड़ चौवन लाख उनहत्तर हजार) मात्र के व्यय किये जाने की प्रशासकीय स्वीकृति कृषि अनुभाग-3 के उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 14.8.2015 में उल्लिखित शर्तों एवं निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की जाती है :-

(धनराशि हजार रूपये में)

योजना का नाम	**लेखाशीर्षक/मानक मद**	**कृषि अनुभाग-3 द्वारा अवमुक्त धनराशि**
30 नान एन0एच0एम0 जनपदों में औद्यानिक विकास परियोजना	अनुदान सं0-11 के अधीन लेखाशीर्षक- 2401-फसल कृषि कर्म-आयोजनागत- 800-अन्य व्यय-02-राष्ट्रीय कृषि विकास योजना- 0204-उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण की योजनायें 27-सब्सिडी	65469
	योग	**65469**

(रूपये-छः करोड़ चौवन लाख उनहत्तर हजार मात्र)

(1) कृषि अनुभाग-3 के उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 14.8.2015 में उल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन दिये गये विवरण के अनुसार व्यय की जायेगी।

http://shasanadesh.up.nic.in

(2) योजनान्तर्गत लाभार्थी को दिये जा रहे लाभ में पुनरावृत्ति नहीं होगी अर्थात राज्य सेक्टर या किसी अन्य समान योजना के लाभार्थी इस योजना में शामिल नहीं होंगे। लाभार्थियों के नाम Net पर रहेंगे।

(3) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना दिशा-निदेश वर्ष 2015-16 में दिये गये निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।

(4) चयन प्रक्रिया/विज्ञापन तथा चयनित लाभार्थी कृषकों का अनुमोदन सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी के माध्यम से नियमानुसार कराया जायेगा।

(5) भण्डार क्रय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(6) स्वीकृत धनराशि का व्यय करने के पूर्व, जहां आवश्यक होगा वहां पर शासन, कृषि निदेशक/नोडल अधिकारी, आर0के0वी0वाई0 एवं सम्बन्धित सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति प्राप्त कर ली जायेगी।

(7) स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्हीं कार्यो/मदों पर किया जायेगा, जिस हेतु राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत उक्त धनराशि स्वीकृत की गयी है। अन्य मदों पर किया गया व्यय वित्तीय अनियमितता मानी जायेगी जिसके लिए निदेशक, उद्यान, नोडल अधिकारी, आर0के0वी0वाई0, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तर प्रदेश तथा सम्बन्धित जनपदीय अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

(8) योजनान्तर्गत व्यय को स्वीकृत धनराशि के अन्दर सीमित रखा जायेगा। अतिरिक्त धनराशि मिलने की प्रत्याशा में व्यय को किसी भी दशा में स्वीकृत धनराशि से बढ़ाया नहीं जायेगा।

(9) एस0एल0एस0सी0 के अनुमोदन के विपरीत किसी अन्य कार्ययोजना/मद में कोई धनराशि व्यय नहीं की जायेगी।

(10) वित्त लेखा अनुभाग-1 के शासनादेश सं0-1-285/दस-2012-10(29)/2011टी0सी0, दिनांक 29.5.2012 द्वारा समस्त भुगतान NEFT/RTGS के माध्यम से इलेक्ट्रानिकली लाभार्थी के खाते में सीधे क्रेडिट किये जाने के निर्देश दिये गये है। अत: उक्त अवमुक्त धनराशि का भुगतान/व्यय तदनुसार सुनिश्चित किया जाय। भारत सरकार के पत्र संख्या-1-11011/58-2013-डी0बी0टी0, दिनांक 25.2.2015 द्वारा डायरेक्ट बेनीफिट ट्रांसफर डी0बी0टी0 के अन्तर्गत नकद धनराशि व्यक्तिगत लाभार्थियों के बैंक खाते में ट्रांसफर किये जाने का निदेश दिया गया है। अत: स्वीकृत धनराशि का तदनुसार भुगतान/व्यय किया जायेगा।

(11) निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ जनता के बीच योजनाओं का प्रचार एवं प्रसार सुनिश्चित करेंगे। उक्त योजना का पूरा विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जायेगा। योजना का Impact assessment कराया जायेगा और उसका समुचित फीडबैक दिया जायेगा। योजना के कार्य पूर्ण हो जाने पर योजना की कार्यो की पूर्णत: का पूरा विवरण उपलब्ध कराया जाये। लाभार्थियों की सूचना वेबसाइट पर अपलोड की जाय तथा लाभार्थियों की सूची एवं उन्हें दिये गये लाभ का रेण्डम आधार पर भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जाय। लाभार्थियों की सूची विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कराने हेतु मुख्यालय/जनपद स्तर के सम्बन्धित परियोजना अधिकारी उत्तरदायी होंगे।

(12) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष जो धनराशि उपयोग नहीं होगी, उसे शासन को यथासमय समर्पित किया जायेगा।

http://shasanadesh.up.nic.in

(13) स्वीकृत धनराशि का मासिक व्यय विवरण, उद्यान अनुभाग, कृषि अनुभाग-3 एवं कृषि निदेशक/नोडल अधिकारी को प्रत्येक माह के 5 तारीख तक दो-दो प्रतियों में उपलब्ध कराया जायेगा।

भवदीय,

(विजय प्रताप सिंह)
अनु सचिव।

संख्या: 19 /2015-2089(1)/58-2015, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

(1) महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी), प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0 इलाहाबाद।
(2) सम्बन्धित कोषाधिकारी, उ0प्र0।
(3) प्रमुख सचिव, कृषि विभाग (कृषि अनुभाग-3), उ0प्र0शासन।
(4) कृषि निदेशक/नोडल अधिकारी, आर0के0वी0वाई0, उ0प्र0, कृषि भवन, लखनऊ।
(5) वित्त नियंत्रक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
(6) नोडल अधिकारी, आर0के0वी0वाई0, निदेशालय उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उ0प्र0लखनऊ।
(7) गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(विजय प्रताप सिंह)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in